ग्रामीण क्षेत्रों में फील्ड इंस्पेक्शन टीमों की नियुक्ति होगी
निर्माण कार्यों और कमियों पर सतत निगरानी रखी जाएगी

जयपुर, 29 जुलाई। प्रदेश के तीनों विद्युत वितरण निगम क्षेत्रों में चल रहे निर्माण कार्यों और विद्युत दुर्घटनाओं से बचाव के लिए कमियां सामने आने पर उनकी सतत निगरानी के लिए प्रत्येक सर्किल में एक फील्ड इंस्पेक्शन टीम की नियुक्ति की जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो सके।

इस संबंध में विद्युत वितरण निगमों के अध्यक्ष श्रीमत पाण्डेय ने स्थाई आदेश जारी करके शीघ्र ही सभी सर्किल में ऐसी टीमों का गठन करने के निर्देश दिये है। प्रत्येक टीम में एक कनिष्ठ अभियन्ता, एक फीडर इंचार्ज और तीन तकनीकी सहायक शामिल किये जाऐंगे।

स्थायी आदेश के अनुसार ये टीमें केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं और ठेकेदारों द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों की गुणवत्ता की जांच करेंगी और अपनी रिपोर्ट सर्किल के अधीक्षण अभियन्ता को सौपेंगी।

फील्ड इंस्पेक्शन टीम ठेकेदारों द्वारा किये गए कार्यों का सेम्पल निरीक्षण करेगी। टीम अपने क्षेत्र में उपभोक्ताओं के मीटरों की भी रीडिंग के नमूने लेगी और सहायक अभियन्ता या सहायक राजस्व अधिकारी को उपलब्ध कराएगी जिससे रीडिंग का सत्यापन हो सके।

स्थायी आदेश के अनुसार इंस्पेक्शन टीम 33 केवी सब–स्टेशन का भी निरीक्षण करेगी, जिससे उसकी कमियां और बाधाओं को सामने आने पर समय रहते दूर किया जा सके। सब–स्टेशन को चालू करने से पहले पूरी तरह सही करना होगा इसमें कोई खामी पाऐ जाने पर अधीक्षण अभियन्ता का ध्यान दिलाया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में 11 केवी के फीडर की भी जांच की जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उसकी स्थापना में सभी तकनीकी मानदण्डों का पालन किया गया है और यह नये कनेक्शन जारी करने के लिए फिट है।

ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति से संबंधित मामलों पर उपभोक्ताओं से सारी जानकारी ली जाएगी इसके साथ ही जिला मुख्यालय, नगर पालिका क्षेत्रों और औद्योगिक क्षेत्रों में मीटर ओर भूमिगत केबल लगाने की गुणवत्ता की भी जांच की जाएगी।

डिस्कॉम अध्यक्ष ने बताया कि इंस्पेक्शन टीम हर महीने दस 33 केवी सब–स्टेशन और इतने ही 11 केवी फीडर्स का अपनी मर्जी से चयन करके उनका निरीक्षण करेगी। उसे कम से कम 30 सरपंचों या ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों से जानकारी लेनी होगी। टीम को कम से कम एक कृषि ट्रांसफार्मर और एक सिगंल फेज ट्रांसफार्मर का निरीक्षण करना होगा और उसमे आ रही रीडिंग का सत्यापन गांव के लोगों से कराना होगा।

इंस्पेक्शन टीम को उपरोक्त गतिविधियों के अलावा और कोई खामी नजर आती तो वे इसकी सूचना अधीक्षण अभियन्ता को देगी। सभी प्रबन्ध निदेशक प्रत्येक सर्किल मुख्यालय में 11 केवी के चार सौ फीडर्स के लिए एक टीम का गठन करेंगे।

.....